तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 15 दिसंबर 2023

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4 जिले से चार ट्रेलर की चोरी, जप्त करने पहुंची पुलिस को मिले महज छोटे टुकड़े

खबर संक्षेप

संभाग स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी आज

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा 51वें राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भाग लेने हेतु एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की संभाग स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी वर्ष का आयोजन 15 दिसंबर को विकासखण्ड कटघोरा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरीकला में आयोजित किया गया है। कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार संभाग स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में बिलासपुर संभाग के रायगढ़, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, सक्ती व कोरबा जिला हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि इस बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी के दो घटक होंगे। जिसमें पहला प्रदर्शनी व दूसरा सेमीनार (मिलेट्स फॉर हेल्थ एण्ड सस्टेनेबल प्लैनेट) है। इसी प्रकार प्रदर्शनी हेतु उप थीम हेल्थ, लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट), एग्रीकल्चर, कम्युनिकेशन एण्ड ट्रांसपोर्ट तथा कम्प्यूटेशनल थिंकिंग निर्धारित की गई है। प्रत्येक थीम से 03 मॉडल का चयन कर राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में भेजा जाएगा।

टेबल टॉप एवं मॉक ड्रिल आज

कोरबा। जिले में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर से संबंधित टेबल टॉप एवं मॉक ड्रिल का आयोजन 15 एवं 16 दिसंबर 2023 किया गया है। जिसमें एनडीआरएफ मुण्डली कटक (ओडिशा) के अधिकारी/जवानों द्वारा उक्त संबंध में टेबल टॉप एवं मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 दिसंबर 2023 को जिला पंचायत के सभाकक्ष में प्रातः 10:30 बजे से 01 बजे तक टेबल टॉप कार्यक्रम आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों में सभी सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों को अपने रेस्क्यू टीम के साथ उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है।

कौशल प्रशिक्षण के लिए कार्यशाला कल

हरदीबाजार। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उतरदा स्वामी/आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उतरदा के समस्त भूतपूर्व छात्राओं के लिए एसईसीएल द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय उतरदा में 16 दिसंबर सुबह 10.30 बजे से कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से निशुल्क रहेगी तथा प्रशिक्षण उपरांत विभिन्न शासकीय अर्ध शासकीय एवं निजी कंपनियों के द्वारा कैंपस सिलेक्शन भी किया जाना है। प्रशिक्षण हेतु 10वीं उत्तीर्ण उम्र 18 वर्ष के वर्तमान एवं भूतपूर्व छात्र- छात्राएं भाग ले सकते हैं।

अंतर क्षेत्रीय लॉन टेनिस टूर्नामेंट 20 से

कोरबा। महाप्रबंधक कोरबा क्षेत्र दीपक पंड्या की उपस्थिति में क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति की आवश्यक बैठक रखी गई। जिसमें 20 से 22 दिसंबर तक तीन दिवसीय अंतर क्षेत्रीय लॉन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन कोरबा क्षेत्र के लॉन टेनिस ग्राउंड में होना सुनिश्चित किया गया है। उपरोक्त संदर्भ में उसके बेहतर संपादन हेतु बैठक रखी गई जिसमें संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखें। साथ ही महाप्रबंधक कोरबा क्षेत्र में भी बेहतर आयोजन कैसे किया जाए उस पर अपनी राय एवं सुझाव रखें। उपरोक्त बैठक में कोरबा क्षेत्र के समस्त विभाग अध्यक्ष मुख्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें श्रम संघो की ओर से सर्वश्री दीपेश मिश्रा, मोहन सिंह प्रधान, अशोक सूर्यवंशी, अनूप सरकार, संदीप राय, राजगोपाल सिंह, संजय सिंह, सुरेंद्र पांडेय सहित क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक उपस्थित रहे। वार्ता का संचालन कार्मिक प्रबंधक के.पी. सिंह के द्वारा किया गया।

ग्रामीण अंचल के लड़के पढ़ाई से कर रहे तौबा, लड़कियां आ रहीं आगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बाल सभा में सामने आया छात्रों के पढ़ाई छोड़ने का मामला

दूरस्थ ग्रामीण अंचल के लड़के मीडिल स्कूल की पढ़ाई के बाद हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी की कक्षाओं की पढ़ाई के मामले में पीछे हट रहे, जबकि लड़कियों पढ़ाई के मामले में पूर्व की अपेक्षा अब आगे आने लगी हैं। उक्त जानकारी बाल सभा के माध्यम से सामने आई। अजगर बहार स्कूल में स्रोत सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित बाल सभा में छात्रों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। वहीं स्कूल के छात्रों ने भी अपनी समस्याएं खुलकर सामने रखी।

अलग खबर

वानांचल क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में अजगर बहार के स्कूल में बाल सभा का आयोजन किया गया। सामाजिक संस्था के सहयोग से बाल सभा में प्राथमिक शाला आंगनबाड़ी के बच्चों से लेकर हाईस्कूल के छात्र शामिल थे। जिन्हें सत्यप्रकाश जयसवाल ने संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा बच्चों को दिए गए कानूनी अधिकारों के संबंध में बताया। जीवन का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, पोषण का अधिकार, खेल का अधिकार, शिक्षा का अधिकार जैसे विषयों पर छात्रों के साथ चर्चा की गई। जिसमें छात्रों ने भी स्कूल और ग्रामीण अंचलों में व्याप्त समस्याओं के संबंध में खुलकर चर्चा की। छात्रों ने बताया कि स्कूल में बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग प्रसाधन की व्यवस्था है, किंतु उसकी स्थिति जीर्णोद्धार के लायक पहुंच चुकी है उपयोगहीन हो चुका है। एक छात्रा ने यहां तक कहा कि मवेशियों के रखने के लिए सरकार गांव के समीप ही गौठान बना रही है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि गांव के लड़कों के खेलने के लिए खेल मैदान तक नहीं बनाया जा रहा है। गांव तो दूर की बात स्कूल में भी खेल के मैदान नहीं है। स्कूल परिसर के ⏭शेष पेज 3 पर

खास बात

- अजगरबहार स्कूल के बाल सभा में छात्र छात्राओं को दी गई उनके अधिकारों की जानकारी

मामला जटगा महाविद्यालय का, वर्ष 2017 में हुआ था शुरू

पांच साल में कॉलेज भवन दूर की कौड़ी, जमीन भी विवादों में पड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में उच्च शिक्षा की सुविधा दिलाने हेतु जिले के जटगा क्षेत्र में राज्य शासन द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किए गए महाविद्यालय का भवन तो दूर की कोड़ी साबित हो रहा है। भवन के लिए आबंटित जमीन बड़े झाड़ के जंगल वाले खाते में निकलने पर भवन निर्माण कार्य शुरू ही नहीं हो सका। महाविद्यालय के लिए दूसरी बार दी गई जमीन भी आबंटन की प्रक्रिया में अटकी है।

खास बात

- महाविद्यालय में बीए, बीकॉम की कक्षाओं में कुल 110 विद्यार्थी

स्कूल भवन जहां संचालित होता था कालेज।

यह है पहले जमीन विवाद का मामला

कॉलेज स्वीकृत होने के बाद राजस्व विभाग द्वारा सबसे पहले जटगा गुरसिया रोड में 9 एकड़ जमीन चिन्हित कर आबंटित की गई थी। जमीन मिलने के बाद महाविद्यालय प्रबंधन जब जमीन के आधिपत्य के लिए कार्यवाही करने राजस्व विभाग से पत्राचार करने लगा तब यह बात सामने आई कि जो जमीन कॉलेज भवन के लिए आबंटित की गई है वह बड़े झाड़ के जंगल की जमीन है। बताया जाता है कि बड़े झाड़ के जंगल वाली खाते की जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य अवैध रहता है। लिहाजा उक्त जमीन पर किसी तरह की शासकीय निर्माण कार्य करना अवैध रहेगा।

जनप्रतिनिधियों की मांग पर पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड में वर्ष 2017 में शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ किया गया था। मांग पर शासन की ओर से गंभीरता दिखाते हुए वर्ष 2017 में जटगा में महाविद्यालय स्वीकृत किया और जुलाई शुरूआत अस्थाई तौर पर स्थानीय हाईस्कूल के भवन में शुरू किया गया। इस महाविद्यालय में बीकॉम, बीए और बीएससी की कक्षाओं के लिए स्वीकृति दी गई। पांच साल से कॉलेज की कक्षाएं जटगा हाईस्कूल के भवन में ही लग रही है और 110 छात्र महाविद्यालय के कार्ड में दर्ज हैं। जनप्रतिनिधियों की मांग पर कॉलेज तो प्रारंभ हो चुका है, लेकिन कॉलेज भवन नहीं होने से और महाविद्यालयीन जैसे सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से छात्रों का रूझान भी अब महाविद्यालय में प्रवेश के प्रति रूझान नहीं दिखा रहे हैं।

दूसरी बार कॉलेज प्रबंधन ने फिर से महाविद्यालय भवन हेतु जमीन आबंटन की प्रक्रिया के लिए आवेदन दिया। राजस्व विभाग ने आवेदन पर कार्यवाही करते हुए जटगा, पसान रोड पर फिर से 9 एकड़ रकबे वाली जमीन का चिन्हांकन कर उसे कॉलेल प्रबंधन के लिए आबंटन प्रक्रिया में लाया। चार माह से कॉलेज प्रबंधन उक्त जमीन को अपने नाम नामांतरण भी नहीं करा सका है। हालांकि आचार संहिता लगने की वजह से आबंटन नामांतरण की प्रक्रिया अटकी पड़ी हुई है, किंतु जो काम प्रक्रियाधीन रहती है उन पर रोक नहीं है, किंतु उसके बाद नामांतरण जैसे प्रक्रिया रूकी रही।

जमीन आबंटन प्रक्रिया में है

महाविद्याल भवन हेतु 9 एकड़ की जमीन पहले चिन्हांकित हुई थी वह बड़े झाड़ के जंगल वाली निकल गई। दूसरी बार जमीन जटगा, पसान रोड में चिन्हांकित हुई है और सीमांकन हुआ है आबंटन अभी प्रक्रिया में है।

-एमएम जोशी,
प्राचार्य, कटघोरा महाविद्यालय

समय पर नहीं मिली एंबुलेंस जच्चा और बच्चा की मौत

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

समय पर सरकारी एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिलने के कारण प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला सही वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंच सकी तथा सही समय पर उपचार नहीं मिलने से उसके साथ ही कोख में पल रहे नवजात की मौत हो गई।

उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनकी निवासी सति बाई को प्रसव पीड़ा उठी। जिसके बाद स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने डिलीवरी कराने से हाथ खड़े कर दिए। आनन-फानन में सती बाई को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि काफी प्रयास के बाद भी सरकारी एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिलने के कारण सति बाई को निजी वाहन से अस्पताल ले जाया गया। बावजूद इसके महिला की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सति बाई को जब प्रसव पीड़ा उठी तब उसका पति उसे लेकर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा जहां चिकित्सकों ने सति बाई की स्थिति को देखते हुए उसका उपचार करने में खुद को असमर्थ बताया और उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इधर जिला अस्पताल आने के लिए मितानीन ने डायल 112 के साथ ही अन्य सरकारी एंबुलेंस से फोन मिलाया लेकिन व्यस्त होने का हवाला देकर सभी ने मदद देने से इंकार कर दिया। अंत में निजी वाहन से महिला को जिला अस्पताल लाया जा रहा था। इसी दौरान अस्पताल पहुंचने से पहले ही जच्चा और बच्चा दोनों की मौत हो गई। फिलहाल इस पूरे मामले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लापरवाही सामने आ रही है। जिसमें सरकारी एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिलने के कारण ही महिला की मौत होना बताया जा रहा।

खास बात

- ग्राम कनकी का मामला, निजी वाहन से लाया जा रहा था जिला अस्पताल

बिजली कर्मचारी संघ की बैठक में कॉलोनी की सुरक्षा का उठा मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ कोरबा इकाई की बैठक संघ कार्यालय कोरबा पूर्व में आहुति की गई। बैठक की अध्यक्षता जीपी राजवाड़े एवं पूर्णिमा साहू प्रदेश उपाध्यक्ष, सत्यप्रकाश गांधी गुप्ता कोषाध्यक्ष तथा लोचन दास सचिव मंच पर आसीन रहे। बैठक का क्रियान्वयन यशवन्त राठौर द्वारा किया गया। भारत माता के उदघोष से बैठक की शुरुआत हुई। बैठक के सभी विषयों को बिन्दुवार राठौर द्वारा रखा गया। जिसमें सर्व सम्मति से निम्न प्रस्ताव पारित किए गए। पुराने संघ कार्यालय के जीर्णोद्धार हेतु मुख्य अभियंता सिविल को पत्र के माध्यम से भेंट करना। आवासीय कालोनी के सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से बाउंड्री वॉल कराकर बेरियर लगाने, नालियों की सफाई, गलियों में सड़क निर्माण तथा दुर्घटनाकारक वृक्षों की छंटाई करने। पावर कंपनी में अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त कर्मचारियों को ⏭शेष पेज 3 पर

खास बात

- आऊट सोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन पर भी हुई चर्चा

चलते टैंकर में लगी आग, ऑपरेटर ने कूदकर बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल की खदानों में लगातार दुर्घटनाओं का दौर जारी है। गेवरा खदान में शॉर्ट सर्किट व लिकेज की वजह से वाटर टैंकर में आगजनी की घटना घटित हो गई। चलते वाहन में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रुप धारण कर लिया। हालांकि टैंकर के ऑपरेटर ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचा ली अन्यथा किसी बड़ी घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था।

एसईसीएल गेवरा खदान में हादसों का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार पिछले कई महीनों से यहां पर घटनाएं घट रही हैं। बावजूद इसके प्रबंधन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। गुरुवार को खदान में एक वाटर टैंकर जलकर खाक हो गया शॉर्ट सर्किट लीकेज की वजह से यह घटना सामने आना बताया जा रहा है। चलती टैंकर में आग लगने का यह कोई नया मामला नहीं है। रखरखाव के अभाव में करोड़ों रुपए के वाहनों को प्रबंधन के द्वारा आग के हवाले किया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गेवरा खदान के वेस्ट सेक्शन के 150 डंपयार्ड में ऑपरेटर अविनाश प्रताप सिंह टैंकर लेकर पहुंचा इंजन से धुआं निकलना शुरू हुआ ऑपरेटर ने किसी तरह चलती वहां से कूद कर अपनी जान तो बचा ली मगर टैंकर पूरी तरह से जल कर खाक हो गया।

खास बात

- एसईसीएल गेवरा खदान का मामला

खदान के भीतर इस तरह वाहन में लगी थी आग।

वाहन चालकों को गुजरना पड़ता है संभलकर, सीएसईबी चौक से दर्री तक बनाई गई

दोनों ओर टू लेन की सड़क, बीच में जर्जर पुलिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सीएसईबी चौक से मेजर ध्यानचंद चौक तक नगर पालिक निगम द्वारा बनाई गई टू लेन सड़क के बीच कोहड़िया गांव के समीप नाले में बनी पुलिया चमचमाती सड़क का शो बिगाड़ रही है। जर्जर पुलिया से वाहन चालक गुजरने मजबूर हैं।

पुलिया की हालत टू लेन सड़क निर्माण के पूर्व से ही जर्जर बनी हुई है, जिसे सुधारने की जरूरत भी महसूस नहीं की गई। नगर विकास को लेकर और शहरवासियों को शहर के अंदर ही बेहतर सड़क की सुविधा दिलाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम के द्वारा सीएसईबी चौक से लेकर दर्री तक एवं दर्री बराज से गोपालपुर तक सड़क का निर्माण कर एक अच्छी सड़क शहरवासियों को सुगम तरीके से आवागमन हेतु उपलब्ध कराई गई है, किंतु उक्त सड़क के बीचोंबीच कोहड़िया वार्ड के समीप नाले में बनी पुरानी पुलिया जो दर्री क्षेत्र को कोरबा शहर ⏭शेष पेज 3 पर

जर्जर पुलिया।

सर्वमंगला पुल के नीचे की सड़क जर्जर

सड़कों के निर्माण और मरम्मत को लेकर प्रशासन कितना गंभीर है इसका नजारा सर्वमंगला पुल के नीचे बनी हुई सड़क से मिलता है। धार्मिक स्थल की ओर जाने वाली सड़क बरसात के पूर्व से ही जर्जर है। मरम्मत नहीं होने की वजह से अब सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से उक्त सड़क से गुजरने वाले चार पहिया, दो पहिया वाहन गड्ढों में फंस रहे हैं, लेकिन सड़क के गड्ढों को भरने का काम न तो बरसात के पहले किया गया और न ही बरसात के दौरान, स्थिति जस की तस बनी हुई है।

सप्तदेव मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा कल से

कोरबा। अभामा महिला सम्मेलन छग प्रदेश के राष्ट्रीयता आध्यात्मिकता प्रकल्प के परिपेक्ष में श्रीमद्भागवत कथा भक्ति महोत्सव का आयोजन श्रीसप्तदेव मंदिर में कथा वाचक भागवताचार्य परम पूज्य आचार्य पंडित लाल दीक्षित मथुरा वाले के मुखारविंद से होने जा रहा है। जिसके मुख्य जजमान अमरनाथ श्रीमती प्रेमा अग्रवाल कार्यक्रम के अतिथि श्रीमती नीरा बथवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष, रूपा अग्रवाल राष्ट्रीय सचिव कलश यात्रा 16 दिसंबर को सुबह 9 बजे श्याम मंदिर कोरबा से प्रारंभ होकर श्री सत्यदेव मंदिर तक जाएगी। कथा के प्रथम दिवस भीष्म स्मृति, परीक्षित चरित्र, सुखदेव का आगमन द्वितीय दिवस विदुर , सती, ध्रुव चरित्र, तृतीय दिवस भरत, प्रहलाद चरित्र के साथ अजामिल कथा, चतुर्थ दिवस वामन अवतार, राम आदि कथा होगी।

रिस्क लेने को तैयार रहें और फटाफट जमा करें 1 करोड़

8-4-3 का फॉर्मूला आजमाएं और रुपये बढ़ाएं ● निवेश में कंपाउंडिंग से भी होगा बड़ा कमाल ● कंपाउंडिंग की मदद से ही पूरा होगा आपका लक्ष्य ● थोड़ी सी फाइनेंशियल प्लानिंग से काम लें ● खर्च और बचत में थोड़ा अनुशासन दिखाना होगा ● अच्छी बचत कर निवेश करें और इसे बढ़ाते जाएं

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी जल्द करोड़पति बनने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं तो रिस्क लें और सावधानी के साथ बाजार में निवेश करने उतरें। इससे आप आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि अमीर बनना इतना असान नहीं है, लेकिन इस लक्ष्य को पाना भी कोई बड़ी चुनौती नहीं है। सिर्फ आपको थोड़ा सा रिश्क लेकर आगे बढ़ना होगा और निवेश पर कुछ समय के लिए फोकस करना होगा। इसके बाद आपकी निवेश गाड़ी सरपट दौड़ेगी और आपको जल्द करोड़पति बनने में मदद करेगी। करोड़पति बनने में 8-4-3 का फार्मूला भी गजब का काम करता है। अगर आप वाकई जल्द करोड़पति बनना चाहते हैं तो कंपाउंडिंग का कमाल भी इसमें आपकी काफी मदद कर सकता है। 1 करोड़ रुपये जमा करने में आपको कितना वक्त लगेगा यह इस बात से तय होगा कि आप हर महीने कितने पैसे बचाने और निवेश करने को तैयार हैं और इस निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलता है। अगर आप थोड़ी सी फाइनेंशियल प्लानिंग से काम लें, तो ऐसा करना उतना भी मुश्किल नहीं है जितना अभी आपको लग रहा होगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसा ही एक फार्मूला जो आपको जल्द करोड़पति बनाएगा।

कमाल का फॉर्मूला!

एक करोड़ रुपये जमा करने का लक्ष्य हासिल करने में कंपाउंडिंग से जुड़ा 8-4-3 का फॉर्मूला या रूल आपके काफी काम आ सकता है। इस रूल की मदद से आप बेहद कम वक्त में 1 करोड़ रुपये जमा करने में सफल हो सकते हैं। हां, ऐसा करने के लिए आपको खर्च और बचत के मामले में थोड़ा डिसिप्लिन यानी अनुशासन जरूर दिखाना पड़ेगा, लेकिन इस तरकीब को समझने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि कंपाउंडिंग का मतलब क्या है। जब आप अपने पैसे निवेश करते हैं, तो उस पर मिलने वाला रिटर्न या ब्याज दो तरह से जोड़ा जा सकता है। पहला, साधारण ब्याज या रिटर्न, जिसमें आपके जमा किए गए पैसों पर ब्याज जोड़ा जाता है और दूसरा, कंपाउंड इंटरेस्ट यानी चक्रवृद्धि ब्याज, जिसमें आपके द्वारा जमा की गई मूल रकम के साथ ही साथ और उस पर बनने वाले ब्याज पर भी रिटर्न या ब्याज जोड़ा जाता है। यानी कंपाउंडिंग वह प्रॉसेस है, जिसमें आप पहले से जमा ब्याज पर और ब्याज कमाते हैं।

क्या है कंपाउंडिंग का नियम

आप अपना पैसा बढ़ाने के लिए कंपाउंडिंग के 8-4-3 नियम का पालन कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप किसी ऐसी स्कीम में निवेश करते हैं, जिस पर आपको 12 फीसदी की दर से सालाना चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है, तो हर महीने 21,250 रुपये जमा करने पर 8 साल में 33.37 लाख रुपये जमा हो जाएंगे। जो 1 करोड़ रुपये के लक्ष्य तक बढ़ने की दिशा में आपका पहला अहम पड़ाव होगा। इसके बाद आपको दिखाई देगा कंपाउंडिंग का जबरदस्त जादू! ऐसा इसलिए, क्योंकि जहां पहली बार 33.37 लाख रुपये बचाने में आपको 8 साल लगे थे, वहीं अगले 33 लाख रुपये बचाने में सिर्फ 4 साल लगेंगे। इतना ही नहीं, इसके बाद के 33.33 लाख रुपये तो आप सिर्फ 3 साल में जमा कर लेंगे। इस तरह, आप महज 8+4+3 यानी 15 साल में पूरे 1 करोड़ रुपये बचा सकते हैं।

आमदनी और बचत की रकम अलग करें

अपनी आमदनी से बचत की रकम को अलग करें। यह ऐसी रकम होनी चाहिए, जिसका इस्तेमाल सामान्य जरूरतों के लिए नहीं बल्की सिर्फ भविष्य के लिए हो। अपने खर्च को कंट्रोल करें। जरूरत पर ही रकम का इस्तेमाल करें, ताकि नियमित जमा राशि पर इसका असर न पड़े। खर्च करने से पहले बजट बनाने से मदद मिल सकती है। बचत की रकम का निवेश नियमित और अनुशासित रूप से करें। इसके लिए एसआईपी या एसईपी का विकल्प चुन सकते हैं।

वित्तीय सलाहकार की मदद लें

ऐसा निवेश करें कि मूलधन के साथ-साथ अच्छे रिटर्न भी मिलें। निवेश से करने से पहले वित्तीय सलाहकार की मदद जरूर लें। इससे निवेश कहां और कितना करना है यह सब पता चलेगा। साथ ही कोशिश करें कि निवेश डायवर्सिफाई हो।

ऐसे जमा होंगे 1 करोड़ रुपये

- सालाना रिटर्न : 12%
- मंथली एसआईपी : 21,250 रुपये
- 8 साल बाद कॉर्पस : 33.76 लाख
- फिर 4 साल बाद कॉर्पस (कुल 12 साल) : 66.24 लाख रुपये
- फिर 3 साल बाद कॉर्पस (कुल 15 साल) : 1.02 करोड़ रुपये

वक्त के साथ कमाल

कंपाउंडिंग की बड़ी खूबी यह है कि इसका कमाल वक्त के साथ-साथ और तेजी से बढ़ता है। अगर आप 15 साल के बाद भी हर महीने 21,250 रुपये जमा करना जारी रखते हैं, तो 21वें साल के अंत तक आपका कॉर्पस 2.22 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा। यानी 1 करोड़ रुपये से 2 करोड़ रुपये तक पहुंचने में आपको सिर्फ 6 साल लगेंगे। अगर आप ये सिलसिला आगे भी जारी रखते हैं, तो 22वें साल में सिर्फ 12 महीनों में ही आपके कॉर्पस में 33 लाख रुपये जुड़ जाएंगे। यह सारा कैलकुलेशन हमने ब्याज की सालाना कंपाउंडिंग के आधार पर किया है।

कहां से आएगा 12% सालाना रिटर्न

आपके मन में यह सवाल उठ सकता है कि हमने अपना कैलकुलेशन 12 फीसदी के सालाना कंपाउंडिंग रिटर्न के आधार पर किया है, लेकिन इतना सालाना रिटर्न मिलेगा कैसे? इक्विटी फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करना इसका एक अच्छा तरीका हो सकता है। आप चाहें तो इसके लिए किसी इंडेक्स फंड का चुनाव भी कर सकते हैं, जो कम खर्च में बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। देश के कुछ प्रमुख इंडेक्स फंड्स के रिटर्न के आंकड़े बताते हैं कि उन्होंने पिछले 10 साल के दौरान सालाना 13 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। यानी इनमें निवेश करके आप अपना 1 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य और भी तेजी से हासिल कर सकते हैं।

यह रखें ध्यान

इंडेक्स फंड में निवेश करते समय यह बात हमेशा याद रखें कि इक्विटी से मिलने वाले रिटर्न पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर पड़ता है, लिहाजा इनके पिछले रिटर्न को भविष्य में उतनी ही कमाई होने की गारंटी नहीं माना जा सकता। इसलिए इक्विटी फंड में निवेश तभी करें जब आप बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा-बहुत रिस्क लेने को तैयार हों।

जब आप किसी इंश्योरेंस पॉलिसी पर लोन लेते हैं, तो आपको क्रेडिट चेक से नहीं गुजरना पड़ता है। इसका मतलब है कि यदि आपका क्रेडिट स्कोर कम है या कोई क्रेडिट स्कोर नहीं है, तब भी आपको आसानी से लोन मिल जाएगा।

इंश्योरेंस पॉलिसी पर भी ले सकते हैं लोन

आसानी से और कम ब्याज पर मिलेगा कर्ज लोन की रकम पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर सरेंडर वैल्यू की होती है जांच

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आपको सस्ता लोन चाहिए और आपके पर जीवन बीमा पॉलिसी है तो पैसों की जरूरत पड़ने पर आप उस पर भी लोन ले सकते हैं। लोन की रकम पॉलिसी के प्रकार और उसकी सरेंडर वैल्यू पर निर्भर करती है। पॉलिसी पर पर्सनल लोन की तुलना में आसानी से और कम ब्याज पर लोन मिलता है। इसलिए इंश्योरेंस पॉलिसी पर लोन लेकर आप आसानी से अपने रुके हुए काम कर सकते हैं। हालांकि आपको पॉलिसी पर लोन लेने से पहले कुछ बातों का भी ध्यान रखना होगा। वरना इसके नुकसान भी हो सकते हैं और आपकी पॉलिसी भी लैप्स हो सकती है। इस रिपोर्ट में हम आपको जीवन बीमा पॉलिसी पर लोन के बारे में जानकारी देंगे।

सरेंडर वैल्यू क्या है?

लाइफ इंश्योरेंस के मामले में पूरी अवधि तक चलाने से पहले पॉलिसी सरेंडर करने पर आपको प्रीमियम के तौर पर चुकाई गई रकम का कुछ हिस्सा वापस मिल जाता है। इसमें चार्ज काट लिए जाते हैं। यही रकम सरेंडर वैल्यू कहलाती है।

लोन लेने के फायदे

क्रेडिट स्कोर की जरूरत नहीं। जब आप किसी इंश्योरेंस पॉलिसी पर लोन लेते हैं, तो आपको क्रेडिट चेक से नहीं गुजरना पड़ता है। इसका मतलब है कि यदि आपका क्रेडिट स्कोर कम है या कोई क्रेडिट स्कोर नहीं है, तब भी आपको आसानी से लोन मिल जाएगा। बीमा पॉलिसियों पर लोन की ब्याज दरें आम तौर पर क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे अन्य प्रकार के लोन्स की तुलना में कम होती हैं। बीमा पॉलिसी पर लोन की ब्याज दर 10-13% हो सकती है।

रिपेमेंट का कोई शेड्यूल नहीं

अन्य लोन्स के विपरीत, आपके पास आमतौर पर बीमा पॉलिसी पर लिए गए लोन के रिपेमेंट का कोई फिक्स्ड शेड्यूल नहीं होता है। आप अपने हिसाब से लोन का पेमेंट कर सकते हैं। बस आपको ब्याज चुकाते रहने होगा। लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी पर लोन के लिए आवेदन फॉर्म के साथ आपको ओरिजिनल पॉलिसी डॉक्युमेंट्स जमा करने होंगे। लोन की रकम प्राप्त करने के लिए एक कैंसिल चेक आवेदन फार्म के साथ लगाना होगा। जिस अकाउंट का चेक आपने दिया है उसी में आपका पैसा ट्रांसफर होगा।

यह भी जानें

- आमतौर पर लोन की राशि पॉलिसी की सरेंडर वैल्यू का 80 से 90% तक हो सकती है।
- इतना लोन तब मिलेगा जब आपके पास मनी बैक या एंडोमेंट पॉलिसी है।
- लोन की ब्याज दर 10-15% के करीब हो सकती है।
- आपने जिस कंपनी से पॉलिसी कराई है ये उस पर भी निर्भर है।

ये नुकसान भी

- बीमा कंपनी पॉलिसी की सरेंडर वैल्यू से मूल और बकाया ब्याज की रकम वसूल सकती है।
- लोन के रिपेमेंट में डिफॉल्ट या प्रीमियम भुगतान करने में चूक पर पॉलिसी लैप्स हो जाएगी।
- इसके बाद जो रकम बचेगी उसे बीमा कंपनी पॉलिसी होल्डर को लौटा देगी।

- इक्विटी म्यूचुअल फंड में मिलता है सबसे अच्छा रिटर्न
- मंथली एसआईपी में एन्युअल स्टेप-अप का इस्तेमाल करें
- 10 साल की एसआईपी से बन सकते हैं एक करोड़

म्यूचुअल फंड ही जल्द बना सकते हैं अमीर

म्यूचुअल फंड में सबसे ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड में पैसा लगाना चाहिए। यहां आप एसआईपी के जरिए अपनी छोटी-छोटी बचत निवेश कर सकते हैं। इस निवेश से आप एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं।

कर्ज
बिजनेस डेस्क

हर कोई अमीर बनना चाहता है। लेकिन अमीर बनना कोई चुटकियों का काम नहीं है। इसके लिए जो बहुत जरूरी चीज है वह है वक्त और निवेश। सही वक्त पर सही जगह इन्वेस्टमेंट शुरू कर आप भी अमीर बन सकते हैं। महंगाई के इस दौर में अगर आप अमीर बनना चाहते हैं, तो कम से कम 1 करोड़ रुपये तो आपको पास होने ही चाहिए। आप नियमित रूप से बचत करके और उसे अच्छी जगह निवेश करके अमीर बन सकते हैं।

यहां मिलेगा मस्त रिटर्न

म्यूचुअल फंड में सबसे ज्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड में पैसा लगाना चाहिए। यहां आप एसआईपी के जरिए अपनी छो टी - छो टी बचत निवेश कर सकते हैं। इस निवेश से आप एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। माना जाता है कि दस साल के लिए म्यूचुअल फंड में एसआईपी आपको कम से कम 12 फीसदी सालाना रिटर्न दे सकती है। इस तरह आप एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं।

एनुअल स्टेप अप है काम की चीज

करियर के शुरुआती दौर में आप 10 वर्षों का टार्गेट लेकर चल सकते हैं। इन दस वर्षों के निवेश से आप एक करोड़ रुपये का फंड तैयार कर सकते हैं। इस टार्गेट को पाने के लिए आप मंथली एसआईपी में एन्युअल स्टेप-अप का इस्तेमाल करें। स्टेप-अप एसआईपी का एक ऐसा फीचर है, जो एसआईपी में आपके योगदान को एक विशेष अवधि के बाद बढ़ा देता है। आप हर साल अपनी एसआईपी की राशि में कुछ फीसदी का इजाफा कर सकते हैं। इस तरह आप अपनी इनकम में सालाना इंक्रीमेंट और अपने वित्तीय गोल्स के अनुसार एसआईपी की राशि में बढ़ोतरी कर सकते हैं।

कितनी लगानी होगी रकम

10 साल की एसआईपी से एक करोड़ रुपये की राशि जुटाई जा सकती है। इसके लिए आप एन्युअल स्टेप-अप को 20 फीसदी पर रख सकते हैं। एसआईपी कैलकुलेटर के अनुसार यहां 12 फीसदी वार्षिक रिटर्न के हिसाब से आपको 21,000 रुपये की मासिक एसआईपी के साथ शुरुआत करनी होगी।

इस तरह बनेगा एक करोड़ का फंड

मं थ ली एसआईपी 21,000 रुपये हो, अनुमानित एन्युअल रिटर्न रेट 12 फीसदी हो और एन्युअल स्टेप-अप 20 फीसदी हो तथा अवधि 10 साल रखी जाए तो आप एक करोड़ रुपये का फंड तैयार कर सकते हैं। एसआईपी कैलकुलेटर के अनुसार, दस साल बाद कुल निवेश राशि 65,41,588 रुपये होगी और रिटर्न अमाउंट 38,34,556 रुपये होगा। इस तरह आपके पास 1,03,76,144 रुपये का फंड जमा हो जाएगा और आप करोड़पति बन जाएंगे।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सरकार द्वारा जारी किए गए वित्तीय उपकरण, लोगों को भौतिक सोना रखने की आवश्यकता नहीं

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड या फिजिकल गोल्ड में कौन सा सबसे बेहतर

आभूषणों या सिक्कों के रूप में सोना रखने से सुरक्षा की भावना मिलती है, यह भी निवेश का अच्छा तरीका

भौतिक सोना अक्सर सांस्कृतिक व भावनात्मक महत्व रखता है, खासकर आभूषणों के रूप में

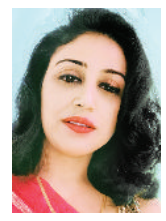

दीपशा तनेजा
फाइनेंसियल एडवाइजर

भारत में सोना हमेशा से सबसे विश्वसनीय और लोकप्रिय निवेश विकल्पों में से एक रहा है। लेकिन इस कीमती धातु के आयात को सीमित करने के लिए, भारत सरकार ने 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) योजना शुरू की। तब से, वह नियमित अंतराल पर इस योजना की विभिन्न किश्तें लॉन्च करती रही है।

सॉवरेन गोल्ड बांड: सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) सरकार द्वारा जारी किए गए वित्तीय उपकरण हैं जो व्यक्तियों को भौतिक सोना रखने की आवश्यकता के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं। निवेशक इन बांडों को खरीदते हैं, और बांड सोने की एक विशिष्ट मात्रा का प्रतिनिधित्व करते हैं। एसजीबी एक निश्चित अवधि के साथ आते हैं और निवेश की गई राशि पर ब्याज की पेशकश करते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आरबीआई पूरे वर्ष बाजार में बिक्री के लिए एसजीबी की नई श्रृंखला लाता है। इसलिए, यदि आप पिछली घोषणा से चूक गए हैं, तो आप हमेशा अगले अंक की घोषणा की प्रतीक्षा कर सकते हैं।

सदस्यता मोड: एसजीबी को बैंकिंग चैनलों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), चयनित डाकघरों और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एजेंटों के माध्यम से सब्सक्राइब किया जा सकता है। भौतिक सोने और अन्य लोकप्रिय निवेश विकल्पों में निवेश की तुलना में, एसजीबी कई मूल्यवान लाभ प्रदान करने के लिए जाना जाता है। हालाँकि, कुछ कमियाँ भी हैं। आइए हम आपको स्मार्ट निवेश निर्णय लेने में मदद करने के लिए एसजीबी के कुछ सबसे महत्वपूर्ण फायदे और नुकसान पर नजर डालें

एसजीबी के लाभ

1. **ब्याज भुगतान:** सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना के सबसे बड़े लाभों में से एक ब्याज भुगतान है। सरकार आपके एसजीबी निवेश पर एक निश्चित वार्षिक ब्याज दर प्रदान करती है। इस ब्याज भुगतान को दो भागों में बांटा गया है और निवेशक को हर 6 महीने में भुगतान किया जाता है। भले ही सोने की कीमत बढ़े या गिरे, ब्याज मिलने की गारंटी है।
2. **कागज और डीमैट प्रारूप:** भौतिक सोने के भंडारण की लागत और चिंता को खत्म करने के लिए, एसजीबी कागज और डीमैट प्रारूप में उपलब्ध है। जब आप एसजीबी में निवेश करते हैं, तो आपको भौतिक सोना नहीं बल्कि होल्डिंग सर्टिफिकेट मिलता है। इसका मतलब है कि आपको सोने की सुरक्षा के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है या इसे बैंक लॉकर में संग्रहीत करने के लिए वार्षिक शुल्क का भुगतान नहीं करना है। प्रमाणपत्र आपके नाम पर होगा और चोरी होने का कोई जोखिम नहीं होगा।
3. **कर लाभ:** सरकार आपसे एसजीबी की खरीद या मोचन पर काटे गए टीडीएस या जीएसटी का भुगतान करने के लिए नहीं कहती है। हालाँकि, किसी व्यक्ति को एसजीबी के मोचन पर उत्पन्न होने वाले पूंजीगत लाभ कर से छूट दी गई है। यह इसे कर-कुशल निवेश बनाता है। इसके अलावा, यदि बांड परिपक्वता से पहले बेचे जाते हैं, तो इंडेक्सेशन का लाभ उठाने के बाद पूंजीगत लाभ का भुगतान किया जा सकता है।आरएसएम इंडिया के संस्थापक डॉ. सुरेश सुराणा के मुताबिक, आयकर अधिनियम, 1961 (इसके बाद 'आईटी अधिनियम' के रूप में संदर्भित) की धारा 47 (वीआईआईसी) में प्रावधान है कि एसजीबी के हस्तांतरण पर एक व्यक्तिगत करदाता को होने वाला पूंजीगत लाभ मोचन का तरीका (यानी जहां ऐसे एसजीबी को इसकी परिपक्वता तक रखा जाता है) को छूट दी जाएगी। यदि ऐसे बांड को इसकी परिपक्वता/मोचन से पहले बेचा/स्थानांतरित किया जाता है, तो उस पर 20% (इंडेक्सेशन लाभ के बिना) या 10% की दर से कर लगाया जाएगा। एसजीबी की समयपूर्व निकासी पर उत्पन्न होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ पर % (इंडेक्सेशन लाभ के साथ)।
4. **भंडारण संबंधी कोई चिंता नहीं:** चूंकि एसजीबी सरकारी प्रतिभूतियां हैं, इसलिए उन्हें सुरक्षित और वस्तुतः जोखिम-मुक्त माना जाता है। निवेश सुरक्षित हैं क्योंकि वे निवेशित पूंजी और ब्याज दोनों पर संप्रभु गारंटी देते हैं। एसजीबी को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रखा जाता है, जिससे भंडारण और चोरी जैसे भौतिक सोने से जुड़े किसी भी जोखिम को समाप्त किया जा सकता है।
5. **तरलता और व्यापार योग्य:** एसजीबी स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं, जो उन निवेशकों को तरलता प्रदान करते हैं जो परिपक्वता से पहले अपने बांड बेचना या व्यापार करना चाहते हैं। यह तरलता भौतिक सोने की तुलना में लचीलेपन की एक परत जोड़ती है, जिसे बेचने के लिए समय और प्रयास की आवश्यकता हो सकती है।
6. **एसजीबी पर ऋण:** सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड रखने वाले निवेशकों के पास बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण सुरक्षित करने के लिए इन बॉन्डों को संपार्श्विक के रूप में उपयोग करने का विकल्प होता है। इस प्रक्रिया को आमतौर पर ₹एसजीबी पर ऋण₹ या ₹एसजीबी ऋण₹ के रूप में जाना जाता है।

ऋण राशि की गणना: एसजीबी के बदले मिलने वाली ऋण राशि आम तौर पर बांड द्वारा दर्शाए गए सोने के बाजार मूल्य के आधार पर निर्धारित की जाती है। ऋण-से-मूल्य (एलटीवी) अनुपात ऋण देने वाली संस्था द्वारा निर्धारित किया जाता है, जो उधार लिए जा सकने वाले सोने के मौजूदा बाजार मूल्य का प्र ति श त दर्शाता है।

ब्याज दर: एसजीबी पर ऋण की ब्याज दरें आम तौर पर प्रतिस्पर्धी होती हैं और असुरक्षित ऋण की दरों से कम हो सकती हैं।

कार्यकाल और पुनर्भुगतान: एसजीबी के बदले ऋण की अवधि और पुनर्भुगतान की शर्तें ऋण देने वाली संस्था की नीतियों पर निर्भर करती हैं। आमतौर पर, उधारकर्ताओं के पास सहमत अवधि के भीतर किश्तों में ऋण चुकाने की सुविधा होती है।

उधारकर्ताओं के लिए लाभ

संपत्ति बेचे बिना तरलता: उधारकर्ता अपनी एसजीबी होल्डिंग्स को तरल किए बिना धन तक पहुंच सकते हैं, जिससे उन्हें बांड से पूंजी प्रशंसा और ब्याज आय की संभावना बनाए रखने की अनुमति मिलती है।

कम ब्याज दरें: एसजीबी द्वारा सुरक्षित ऋण असुरक्षित ऋण की तुलना में कम ब्याज दरों के साथ आ सकते हैं, क्योंकि संपार्श्विक ऋणदाता के लिए जोखिम को कम करता है।

बाजार की अस्थिरता से बचाव: चूंकि ऋण सोने द्वारा समर्थित है, उधारकर्ताओं को एसजीबी को संपार्श्विक के रूप में उपयोग करने से लाभ हो सकता है, खासकर सोने की कीमत में अस्थिरता अवधि के दौरान।

जोखिम और विचार: उधारकर्ताओं को ब्याज दरों, एलटीवी अनुपात और पुनर्भुगतान कार्यक्रम सहित ऋण के नियमों और शर्तों के बारे में पता होना चाहिए। सहमति के अनुसार ऋण चुकाने में विफलता के परिणामस्वरूप गिरवी रखे गए एसजीबी को नुकसान हो सकता है।

एसजीबी के नुकसान

1. **परिपक्वता:** 8 साल की लंबी परिपक्वता अवधि के कारण बहुत से निवेशक सोने के बांड से हतोत्साहित हैं। हालाँकि, यह लंबी अवधि वास्तव में सबसे महत्वपूर्ण स्वर्ण बांड लाभों में से एक है। सरकार ने सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से निवेशकों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए परिपक्वता अवधि लंबी रखी है। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि निवेशक निवेश की तारीख से 5 साल के बाद भी बांड को भुना सकते हैं। 2. **पूंजी हानि:** एसजीबी में आपके निवेश के परिणामस्वरूप पूंजी हानि हो सकती है क्योंकि बांड का मूल्य सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमत से जुड़ा होता है। यदि आप जिस कीमत पर बांड खरीदते हैं वह उस कीमत से अधिक है जिस पर आप परिपक्वता पर इसे भुनाते हैं, तो आपको नुकसान हो सकता है। लेकिन सोना एक महत्वपूर्ण वस्तु है और सरकार इसकी कीमत स्थिर रखने के लिए लगातार काम करती है। और यदि आप 5-8 वर्षों तक निवेशित रहेंगे, तो पूंजीगत हानि की संभावना न्यूनतम है।

क्या आपको सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करना चाहिए?: ऐसा कोई एक निवेश विकल्प नहीं है जो प्रत्येक निवेशक की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। लेकिन अगर स्वर्ण बांड कर लाभ, सरकारी गारंटी और ब्याज भुगतान को ध्यान में रखा जाए, तो इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि एसजीबी निवेश के साथ पोर्टफोलियो विविधीकरण हासिल करना सर्वोत्तम है।

भौतिक सोने के लाभ

1. **मूर्त संपत्ति:** कुछ निवेशक भौतिक सोने की मूर्तता को प्राथमिकता देते हैं। आभूषणों या सिक्कों के रूप में सोना रखने से सुरक्षा की भावना मिलती है, और कई लोग इसे धन का एक रूप मानते हैं जिसे पीढ़ियों तक हस्तांतरित किया जा सकता है।
2. **सांस्कृतिक व भावनात्मक मूल्य:** भौतिक सोना अक्सर सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखता है, खासकर आभूषणों के रूप में। यह त्योहारों, शादियों या विशेष अवसरों के दौरान एक पारंपरिक उपहार के रूप में काम कर सकता है, जो इसके वित्तीय मूल्य से परे भावनात्मक मूल्य जोड़ता है।
3. **कोई बाजार जोखिम नहीं:** भौतिक सोना वित्तीय साधनों की तरह बाजार के उतार-चढ़ाव के अधीन नहीं है। जबकि सोने की कीमतें अभी भी बदल सकती हैं, भौतिक सोने के मालिक होने का मतलब बाजार की अस्थिरता से जुड़े कुछ जोखिमों से बचना है।
4. **युद्ध के समय रणनीतिक महत्व:** युद्ध के समय में आपके पास कुछ मूल्यवान वस्तु होना अति महत्वपूर्ण है जिसे आप अपने साथ ले जा सकें, चाहे आप कहीं भी जाएँ। सोना ऐसा ही है-यह छोटा और सख्त है, इसलिए आप इसे आसानी से ले जा सकते हैं। अन्य चीजों के विपरीत, सोने को सीमाएं पार करने में कठिनाई नहीं होती है। यह किसी भी देश में काम आने वाला पैसा होने जैसा है। इसलिए, युद्ध के समय में, जब चीजें अनिश्चित हो सकती हैं, कुछ सोना रखने से आपके पैसे को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है, चाहे आप कहीं भी हों।

भौतिक सोने के नुकसान

1. **कोई आय सृजन नहीं:** स्टॉक या बॉन्ड के विपरीत, सोना लाभांश या ब्याज के रूप में आय उत्पन्न नहीं करता है। सोना रखने से निरंतर नकदी प्रवाह नहीं मिलता है, और इसका मूल्य मूल्य प्रशंसा पर निर्भर करता है।
2. **सुरक्षा संबंधी चिंताएं:** भौतिक सोना, जैसे आभूषण या बुलियन, को सुरक्षित भंडारण की आवश्यकता हो सकती है। सुरक्षित जमा बक्से, घरेलू तिजोरियाँ, या तृतीय-पक्ष भंडारण सुविधाएँ संबंधित लागतों के साथ आती हैं। इसके अतिरिक्त, चोरी या हानि का जोखिम भी है, जो निवेश के समग्र मूल्य को प्रभावित कर सकता है।
3. **लेनदेन लागत:** भौतिक सोना खरीदने और बेचने में लेनदेन लागत शामिल हो सकती है, जैसे डीलर मार्कअप या प्रीमियम। खासकर अल्पकालिक व्यापारियों के लिए। **फिर भी आकर्षक निवेश:** इन नुकसानों के बावजूद, भौतिक सोना अभी भी उन लोगों के लिए एक आकर्षक निवेश हो सकता है जो संपत्ति की मूर्त प्रकृति और मूल्य के भंडार के रूप में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को महत्व देते हैं।

14 korba-pg 3_Layout 1 12/14/2023 11:28 PM Page 1

खबर संक्षेप

एचएमएस गेवरा क्षेत्रीय इकाई के यश अध्यक्ष तो रॉबिन्सन बने सचिव

कोरबा। कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) की गेवरा क्षेत्रीय इकाई का गठन कर महाप्रबंधक गेवरा को अवगत कराया गया है। नवीन कार्यकारिणी में एनसीएच में पदस्थ चीफ फार्मासिष्ट यश कुमार जायसवाल को अध्यक्ष और रविंद्र स्वर्णकार को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश्वर सिंह नर्मदा है। जबकि संगठन के सचिव सूर्यकांत रॉबिन्सन बनाए गए हैं। इनके अतिरिक्त विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गई है। एचएमएस के केंद्रीय अध्यक्ष रेशमलाल यादव के द्वारा संबंधित नियुक्तियां करने के साथ प्रबंधन को पूरी सूची भेज दी गई है। प्रबंधन से कहा गया है कि क्षेत्रीय इकाई स्तर पर औद्योगिक संबंध के तहत चर्चा एवं वार्ता के लिए इन पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाए जिससे शेड्यूल के अंतर्गत कामकाज हो सके। एचएमएस के क्षेत्रीय अध्यक्ष यश जायसवाल ने अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता जताने के साथ नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूरी प्रतिबद्धता के साथ संगठन और कर्मचारी हित में कार्य संपादित किया जाएगा। इकाई गठन पर केंद्रीय अध्यक्ष रेशमलाल यादव, एससी मंसूरी, एसडी मानिकपुरी, अनिरूद्ध सिंह, तरूण राहा, अमृतलाल चंद्रा, जी.कुरियन, एसडी तिवारी, फैयाज अंसारी ने नए पदाधिकारियों को श्रमिक हित में काम करने की बात कही है।

केसीसी में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा। कोरबा कम्प्यूटर महाविद्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक सुरभि कुण्डू ने मुख्य वक्ता विशेष न्यायाधीश (पॉस्को) विक्रम प्रताप चंद्रा तथा सहायक प्राध्यापक रीना लहरे द्वारा कोरबा शिक्षण समिति के चेयरमेन राजेश अग्रवाल का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य वक्ता के रूप में विशेष न्यायाधीश माननीय विक्रम प्रताप चंद्रा ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी, वाणिज्य तथा प्रबंधन के स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों को नियम, कानून, अपराध, प्रथम सूचना रिपोर्ट के बारे में जानकारी देते हुए विधि को महाविद्यालय के नियम तथा मोटर वाहन नियम को दैनिक जीवन में उपयोग से संबंधित मजेदार उदाहरण से छात्रों को अवगत कराया, उन्होंने छात्रों के साथ परस्पर संवाद करते हुए कहा कि विधि की अज्ञानता किसी अपराध से छूट जाने का कारण नही हो सकता है। इसीलिए विधिक साक्षरता कार्यक्रम के द्वारा सभी को विधि के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाती है तथा उन्होने महाविद्यालय निर्देशक को सरल कानूनी शिक्षा" नामक एक पुस्तिका इसी तारतम्य में भेंट की तथा उन्होने पॉक्सो अधिनियम की विस्तृत जाकारी देते हुये बताया कि नाबालिग किसी भी लिंग का हो के साथ यौन अपराध, बेड टच या अन्य संदिग्ध गतिविधियाँ, इस अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया जाता है।

योजनाओं का किया जाएगा व्यापक प्रचार-प्रसार

विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु सीईओ ने ली बैठक

अधिकारी कर्मचारियों की बैठक लेते सीईओ।

जिला स्तरीय समिति का किया गया गठन

कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। योजना के तहत प्रमुख योजनाओं की संतृप्तीतरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाया जाएगा। इस हेतु 15 दिसंबर से 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा अभियान का संचालन किया जाएगा। अभियान के सफल आयोजन, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु कलेक्टर सौरभ कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गुरूवार को पोड़ी उपरोड़ा के जनपद पंचायत कार्यालय में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में सीईओ जिला पंचायत विश्वदीप ने सभी विभागों सहित सचिवों की बैठक ली। इस दौरान सीईओ ने उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीईओ ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रमुख उद्देश्य योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, खास तौर से वंचित व असंतृप्त लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर जागरूकता लाना, लाभार्थियों के व्यक्तिगत कहानियों अनुभव साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना तथा यात्रा के दौरान प्राप्त विवरण के आधार पर संभावित लाभार्थियों का चयन करना है। प्रचार वैन के गांव में पहुंचने के उपरांत स्वागत कार्यक्रम, प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड किया गया संदेश, विकसित भारत के लिए संकल्प शपथ वीडियो, चलचित्र का प्रसारण तथा मेरी कहानी मेरी जुबानी-योजनाओं के सफल लाभार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पोड़ी-उपरोड़ा श्री खगेश निर्मलकर सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा विभाग, मनरेगा तथा अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुलाकात...

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महासभा चुलेश्वर राठौर ने रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को जिले के हरदीबाजार क्षेत्र आने का निमंत्रण भी दिया। श्री राठौर ने कहा कि विष्णु देव साय के मुख्यमंत्री बनने पर छत्तीसगढ़ के किसान, युवा, महिला, गांव, शहर का निश्चित रूप से चौमुखी विकास होगा।

कोरबा। निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री अरुण साव से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। श्री अग्रवाल ने कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य को उन्नति और प्रगति की ओर बढ़ाया जाएगा। श्री अग्रवाल ने उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में ही अपना राजनीतिक जीवन प्रारंभ किया था।

बिजनेस साइट

विवाह के 20 वर्षों बाद मिला संतानसुख कृष्णा आईवीएफ सेंटर में

कोरबा। खरमोरा निवासी 45 वर्षीय सकीना (बदला हुआ नाम) शादी के 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी संतान सुख से वंचित रहना पड़ा ऐसे वक्त आईवीएफ इंफर्टीलिटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति उपाध्याय की सलाह परामर्श और ईलाज के माध्यम से कृष्णा अस्पताल कोरबा में आईवीएफ तकनीक के द्वारा सकीना को स्वस्थ शिशु का सौभाग्य मिला सकीना और उसका परिवार नन्हे मेहमान के आने से भाव विभोर हो गए हैं। उनका 20 वर्षों का इंतजार अब जाकर खत्म हुआ है। मरीज के परिजनों ने बताया कि जो सुविधा केवल महानगरों में अत्यधिक खर्च में उपलब्ध थे आज कृष्णा अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधा सहज एवं न्यूनतम दर में उपलब्ध हो गई और कुछ महीनों के ईलाज से उन्हे सफलता मिल गई और अस्पताल का वातावरण बहुत ही खुशनुमा और पारिवारिक है। यहां के सभी डॉक्टर, स्टॉफ तथा प्रबंधन काफी सहयोगी एवं सरल है। स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं इंफर्टिलिटी विशेषज्ञ डॉ. प्रीति उपाध्याय ने बताया कि निःसंतान दंपत्ति को निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सही ईलाज एवं उचित मार्गदर्शन से भी उन्हें काफी कम समय में संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है।

महिला के पेट से निकाला गया डेढ़ किलो का ट्यूमर

कोरबा। एक किसान लंबे अर्से से अपनी पत्नी की पेट दर्द की बीमारी से परेशान था। सामान्य पेट दर्द समझकर चिकित्सक के पास ले जाने पर दवाईयों से आराम तो मिल जाता था लेकिन बाद में फिर से परेशानी बढ़ जाती थी। पत्नी की इस बीमारी को लेकर वह काफी परेशान हो चुका था। जब पत्नी को लेकर दूसरे जिले के बड़े अस्पताल पहुंचा तो उसे मालूम हुआ कि पेट में गांठ बना हुआ है। इसका एक ही उपाय था जो बिना सर्जरी के बाहर नहीं निकाला जा सकता था। डॉक्टर ने गांठ बताते हुए ऑपरेशन की सलाह दी। पत्नी की बीमारी से परेशान पति ने आखिरकार परिजनों की सलाह ली और अपनी पत्नी को न्यू कोरबा अस्पताल में महिला चिकित्सक व सर्जन डॉ ज्योति श्रीवास्तव को दिखाया। डॉ श्रीवास्तव ने महिला के पेट का आकार देखकर सोनोग्राफी कराया तो पता चला कि मरीज के पेट में काफी बड़ा ट्यूमर है जिसे सर्जरी के द्वारा ही निकाला जा सकता है। सर्जरी के लिए मरीज के परिजनों को बताया गया और उनसे सहमति लेकर पूरी सावधानी के साथ ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के दौरान यह पता चल गया था कि ट्यूमर पूरे पेट में फैल रहा है जो खून की नसों और आंत के अलावा शरीर के दूसरे अंगों के साथ जुड़ गया था। सर्जरी के बाद मरीज पूर्णतः स्वस्थ है। स्त्री रोग विशेषज्ञ ने बताया कि सबसे गंभीर बात यह है कि मरीज के पेट में दर्द जैसी तकलीफ को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता रहा। इस वजह से ट्यूमर बढ़ता चला गया और वह डेढ़ किलो से ऊपर भ्रूण के बराबर भारी हो चुका था। उसे मेनोरेगिया के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। बीमारी के बारे में डॉ. ज्योति श्रीवास्तव को पता चला कि महिला को गर्भाशय के नीचे कई वर्षों से दर्द हो रहा था। उस वक्त इस बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। डॉक्टरों ने जब जांच की तो पता चला कि वह ट्यूमर काफी बड़ा हो गया था और पेट के कई हिस्सों तक फैल गया था और खून की नसों और आंत से भी चिपका हुआ था। इससे मरीज की जान को खतरा बढ़ गया था इसलिए उसकी सर्जरी जटिल थी।

सिद्धिविनायक हॉस्पिटल ने किया निशुल्क अस्थि जांच शिविर का आयोजन

कोरबा। 12 दिसंबर को करतला ब्लॉक के करतला ग्राम में निशुल्क अस्थि जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करतला ग्राम व आसपास के गांव से लगभग 200 मरीज ने अपना इलाज कराया। शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.नाथ ने बताया कि सिद्धिविनायक हॉस्पिटल समय-समय पर इस प्रकार के निःशुल्क अस्थि जांच शिविरों का आयोजन करता है। ग्रामीण इलाकों में जहां अस्थि रोग विशेषज्ञ की कमी है उन जगहों पर अस्थि रोग के संबंधित लोगों को जागरुक कर वहां विभिन्न अस्थि रोगों का इलाज करना है। विशेष कर करतला कैंप में लोगों को कमर दर्द, घुटने दर्द, गर्दन दर्द, कंधा दर्द जो की बहुत आम बीमारी है। इन्हीं सब बीमारियों का इलाज वह रोकथाम हेतु जीवन शैली में बदलाव एवं फिजियोथेरेपी के द्वारा विभिन्न व्यायाम के बारे में जानकारी दिया गया। शिविर में अस्थि जांच के साथ-साथ ब्लड शुगर जांच व हीमोग्लोबिन जांच का भी सुविधा प्रदान किया गया। जांच के उपरांत मरीज को निःशुल्क दवा वितरण भी किया गया। इस शिविर में ग्राम वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अस्थि रोग के विषय में जानकारी लिया तथा आयुष्मान भारत से होने वाले इलाज के बारे में भी जानकारी दिया गया। शिविर में डॉक्टर शतदल नाथ के साथ-साथ विभिन्न विशेषज्ञ एवं सिद्धिविनायक हॉस्पिटल के स्टाफ ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

माता-पिता की सेवा करना मनुष्य का परम कर्तव्यः आचार्य पवन कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कथावाचक व कथा सुनते श्रद्धालु।

वासन परिवार द्वारा ओपन थियेटर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के छठवां दिन गोपी उद्धव संवाद, रूक्मणी विवाह, सुदामा चरित्र के प्रसंग लेकर संगीतमय तथा झांकियों के साथ विस्तारपूर्वक कथा वाचन किया गया। आचार्य पवन कृष्ण गोस्वामी ने कहा कि माता-पिता की सेवा करना मनुष्य का कर्तव्य है कितने दुख उठाकर कितनी विपत्तियां झेलकर वे अपनी संतान का लालन-पालन करते हैं, उनके उपकारों का, उनकी सेवाओं का बदला किसी प्रकार से चुकाया नहीं जा सकता।

आचार्य श्री ने कथा प्रवचन के दौरान बताया कि श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता उपदेश देते हुए समझाया कि मनुष्य में विवेक होना चाहिए, दूध का दूध और पानी का पानी करने का, सत्य और असत्य का निर्णय करने का, उचित-अनुचित एवं उनके बुरे परिणाम में अंतर समझने और सब जानने का विवेक आता है ज्ञान से आचार्य गोस्वामी गौरव कृष्ण महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीकृष्ण की मथुरा लीला जीव के हृदयान्धकार को नष्ट कर ज्ञान का विकास करती है। जिस ज्ञान के माध्यम से जीव पूर्ण ब्रम्हा श्रीकृष्ण से साक्षात्कार करता है। मथुरा लीला प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में अज्ञान रूपी कंस का उद्धार कर ज्ञान का सम्बर्धन किया। यहाँ तक कि साक्षात बृहस्पति के शिष्य उद्धव जी के ज्ञान को प्रभु ने गोपियों के द्वारा भक्ति का चादर ओढ़ाकर परिपूर्ण किया। स्वयं परमात्मा श्रीकृष्ण ने अपनी मथुरा लीला में ही गुरू सान्दीपनि के सान्निध्य में चौसठ दिनों तक रहकर ज्ञान प्राप्त किया। अतः प्रभु की मथुरा लीला श्रवण करने मात्र से भक्त के हृदय में ज्ञान का उदय होता है। विशेष महोत्सव के रूप में श्री रूक्मिणी विवाह महोत्सव बहुत ही धूम-धाम से मनाया गया। इस प्रसंग पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए आचार्य श्री ने कहा कि श्री रूक्मिणी ने अपने जीवन में किये हुए सत्कार का फल केवल प्रभु को ही माँगा। जिसको कि प्रभु श्री द्वारिकाधीश ने स्वयं रूक्मिणी के कुणिनपुर जाकर रूक्मिणी को प्रधान पटरानी बनाकर पूर्ण किया। यह पवित्र प्रसंग हम सबको शिक्षा प्रदान करता है हमें जीवन में किये हुए सत्कार के फल के रूप में प्रभु की ही आचना करनी चाहिए। इस अवसर पर कथा में मुख्य रूप से पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल, राहुल वासन, ममता वासन, गोपाल गुलशन वासन, वरूण वासन, सत्येंद्र वासन, यश वासन, जय प्रकाश वासन, हीना वासन, पुनम वासन, कुसुम वासन, अपूर्व वासन सहित अन्य उपस्थित रहे।

पॉवर कंपनी शतरंज चैंपियनशिप में कोरबा ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के अंतर क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता में महिला वर्ग से कोरबा वेस्ट टीम विजेता रही। साथ ही पुरुष वर्ग में अटल बिहारी ताप विद्युत गृह मड़वा का दबदबा रहा। व्यक्तिगत श्रेणी में मुकेश सोनकर मड़वा और नूतम ठाकुर कोरबा विजेता तथा राजेश गोपाल गुप्ता दुर्ग व मीना कुर्रे रायपुर उपविजेता रहीं। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा के लिए श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन भी किया गया।

खास बात

- पुरुष वर्ग में मुकेश सोनकर और महिला में नूतन ठाकुर रहीं विजेता

अंतर क्षेत्रीय शतरंज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत अतिथि।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद ने क्षेत्रीय शतरंज स्पर्धा का तीन दिवसीय आयोजन किया। इसका समापन डगनिया मुख्यालय में हुआ। समापन समारोह के मुख्य अथिति छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के डायरेक्टर केएस रामाकृष्णा रहे। उन्होंने सभी विजेताओं व उपविजेताओं शुभकामनाएं दी और कहा कि खेल के आयोजन से कार्यालयीन कर्मियों में रचनात्मक बढ़ती है। इससे उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। अध्यक्षता कर रहे कार्यपालक निदेशक केएस मनोठिया हमें सकारात्मक बनाता है। इस अवसर पर क्रीडा एवं कला परिषद के महासचिव एवं कार्यपालक निदेशक एम एस चौहान ने राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए पुरूष और महिला खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। इस अवसर पर तीन अधिकारियों को खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान दिया गया। इसमें अधीक्षण अभियंता आरके बंछोर, सारथी करकरे कोरबा एवं प्रबंधक अरूण कुमार देवांगन को शॉल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) अशोक कुमार वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता विनोद अग्रवाल, सचिव पंकज सिंह, केंद्रीय पर्यवेक्षक रजनीश चौबे उपस्थित रहे। महिला वर्ग से हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम की टीम विजेता रही, इसमें नूतन ठाकुर व मंजुला साहू को पुरस्कृत किया गया।

पृष्ठ 1 का शेष

ग्रामीण अंचल...

अंदर खाली पड़े जगह का ही उपयोग खेल के लिए किया जाता है। जिले में पहली बार आयोजित हुई इस बाल सभा से सभी स्कूल के बच्चों को इससे जोड़ने का उद्देश्य है। अधिकार में यह बताया गया कि आपको क्या-क्या अधिकार मिले हैं। स्कूल में बाल मेला का आयोजन तो हमेशा होते रहा है, किंतु सरकार द्वारा बच्चों को दिए गए अधिकारों के संबंध में पहली बार इस तरह के आयोजन हुए हैं। बाल सभा के नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में अवगत कराया जाता है और उन्हें जागरूक किया जाता है। इस कार्यक्रम के द्वारा अजगर बहार सहित सतरेंगा, गढ़कटरा, माखुरपानी, कोहड़ियाघाट, हरदीमहुआ, हरदीमाड़ा जैसे आसपास के वनांचल गांव के बच्चे उपस्थित थे। जिनके बीच चर्चाएं की गई। साथ ही साथ बाल सभा में ही वालंटियर्स का चयन किया गया।

बिजली कर्मचारी...

प्रारंभ से ही 100 प्रतिशत वेतन भुगतान करने, आईटीआई कर्मचारियों को टीए टीडी बनाने एवं कंपनी में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को वर्ष 2023 की बोनस राशि एवं महंगाई भत्ता 4 प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में प्रदेश अध्यक्ष महामंत्री को पत्र के माध्यम से प्रबंधन से आदेश प्रसारित कराने। प्रदेश मंत्री यशवंत राठौर ने कहा है कि कालोनी में व्याप्त समस्याओं का निराकरण नहीं होने एवं सिविल विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग मजदूर साथियों का बोनस राशि, ईएसआईसी चिकित्सा कार्ड, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं होने पर आने वाले दिनों में कार्यपालन अभियंता सिविल कार्यालय के सामने उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर सतीश साहू, संदीप राठौर, देवानंद बढ़ई, तिहारू दास, भागवत, संतोष दास, विजय, गीताराम, राम दास, अरुण, रवि, कार्तिक, नरोत्तम दास सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

दोनों ओर टू...

से जोड़ती है। उक्त पुलिस से गुजरना वाहन चालकों के लिए कठिन हो गया है। स्थिति यह है कि दोनों ओर बेहतर टू लेन सड़क का निर्माण किया गया है। वहीं बीच की पुलिया की परत पूरी तरह उखड़कर जर्जर हो गई और जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। बरसात के दिनों में इन गड्ढों में पानी भरा रहता है। जिसकी वजह से वाहन दुर्घटनाएं भी हुई, किंतु उसके बावजूद पुलिया को सुधारने का कार्य नहीं किया गया। आलम यह है कि बरसात गुजरने के बावजूद पुलिया का मरम्मत कार्य नहीं होने से अब धूल उड़ने लगी है। दो पहिया वाहन चालकों को गड्ढे वाली पुलिया के साथ उड़ने वाली धूल के बीच गुजरना पड़ता है। उक्त पुलिया के अलावा दर्री बराज से कोहड़िया की ओर आने वाली टू लेन सड़क के एक ओर की सड़क अभी भी बंद है, जिसे शुरू नहीं किया जा सका है। लोक निर्माण विभाग के द्वारा उक्त सड़क के मरम्मत का कार्य नहीं किया गया है। एक मामले के कारण सड़क की खुदाई की गई थी, उसके बाद से उस सड़क में आवागमन बंद है। एक लेन से ही दोनों तरफ के वाहन गुजर रहे हैं।

कोर्ट नोटिस

ब अदालत अपर प्रधान न्यायाधीश, अपर कुटुम्ब न्यायालय, गिरिडीह

ओ0 एस0 नं. 190/2023

अमित कुमार .....आवेदक
बनाम
बुलबुल विश्वकर्मा .....विपक्षी

नोटिस बनाम

बुलबुल विश्वकर्मा उर्फ बबली विश्वकर्मा, पति अमित कुमार, पिता नेहरु विश्वकर्मा, सा.-वर्तमान निवास स्थान : वार्ड नंबर 20, क्वार्टर नंबर 271, शहीद भगत सिंह कालोनी H.E.C.L. कोरबा, थाना एवं जिला कोरबा, राज्य : छत्तीसगढ़ 495677

बजरिये नोटिस आपको यह सूचित किया जाता है कि आवेदक मेरे न्यायालय में आपके विरुद्ध मूल वाद संख्या 190/2023 दायर किए हैं, नोटिस भी निर्गत किया गया परंतु आप आज तक मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखे।

अतः आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप दिनांक 21/12/2023 को 10.30 अपरान्ह बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष रखें अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में मुकदमे की कार्यवाही एक पक्षीय कर दी जाएगी।

इसे अतिआवश्यक समझें।

अपर प्रधान न्यायाधीश
अपर कुटुम्ब न्यायालय
गिरिडीह

निकाय क्षेत्र में 22 से 24 दिसम्बर तक लगेंगे शिविर

कोरबा। भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत नगर निगम तथा जिले के अन्य निकाय क्षेत्रों में निर्धारित तिथियों व चिन्हांकित स्थलों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उक्त शिविरों में आयुष्मान कार्ड का वितरण, आधार कार्ड अपडेशन, उज्जवला योजना की के.वाई.सी., सहित भारत सरकार के विविध योजनाओं के आवेदन हितग्राहियों से लिये जाएंगे, हेल्थ कैम्प लगाए जाएंगे तथा नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व आवश्यकतानुसार इलाज किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप भारत सरकार की महत्वाकांक्षी व जनकल्याणकारी मिशन विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन एवं आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के दिशा निर्देशन में नगर निगम तथा जिले के अन्य नगरीय निकाय क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं अपर आयुक्त खजांची कुम्हार ने बताया कि नगर निगम क्षेत्रांतर्गत 22 से 23 दिसम्बर तक निर्धारित स्थलों पर शिविर आयोजित होंगे।

Health Town
मिरैकल्स होम्योपैथी हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ में प्रथम होम्योपैथी मेडिसीन पर एम.डी.
डॉ. ए.के. चौरसिया (एम.डी)
पोस्ट द्वारा दवाईयां उपलब्ध
जर्मन दवाईयों द्वारा उपचार
छत्तीसगढ़ में होम्योपैथी की वरिष्ठ चिकित्सा, प्रोफेसर महाराणा प्रताप कॉलेज, रायपुर (छ.ग.)
रायपुर : कटोरा तालाब स्वपनिल नर्सिंग होम के पास मो. 9406004581
बिलासपुर : सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक, रहन लस्सी के पास, मो. 7869048192
अग्रिम रजिस्ट्रेशन
जड़ से इलाज
ठण्ड पर जोड़ो पर दर्द, गठियावात, नशों में दर्द का संपूर्ण निदान।
L4-L5 नशों में दबाव, शून्यपन, सयाटिका, दोनों पाव पर दर्द, अकड़न।
घुटना - घुटने पर सूजन, दर्द, ज्यादा चलने पर
बैठकर उठने पर दर्द, ऐड़ी, कंधा, कोहनी, गर्दन दर्द का संपूर्ण निदान।

खबर संक्षेप

दावड़ा होंगे पूज्य सिंधी पंचायत के नए अध्यक्ष

कोरबा। पूज्य सिंधी पंचायत वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष पद किशन चंद दावड़ा को सर्वसम्मति से चुना गया है। निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने की औपचारिक घोषणा पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा 26 दिसंबर को आहूत आम सभा में की जायेगी। उक्त जानकारी मुख्य चुनाव अधिकारी महेश भावनानी एवं सहायक चुनाव अधिकारी मनोज जेठानी, आनंद बुधवानी ने संयुक्त रूप से दी है।

दिव्यांग बच्चों के लिए आंकलन शिविर का आयोजन

कोरबा। कलेक्टर सौरभ कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप के निर्देशन में आज विकासखण्ड स्रोत केन्द्र पोड़ी-उपरोड़ा में समग्र शिक्षा अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉक्टरों की संयुक्त टीम द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें सहायक उपकरण व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

कुसमुंडा में फील द बीट सीजन 2 डांस प्रोग्राम का आयोजन

कोरबा। आदर्श नगर कुसमुंडा में फील द बीट सीजन 2 डांस प्रोग्राम का आयोजन रखा गया। जिसके आयोजक सुमित मार्क, चंदन शाहिस एवं अमित गुप्ता थे। जिसमें मुख्य अतिथि अमरजीत सिंह, अजय प्रसाद, अथिति शाहिद कुजूर, विनय बिंझवार, नारी शक्ति महिला मण्डल, स्वतंत्र महिला मण्डल, एकता महिला मण्डल का पूर्ण सहयोग रहा। इस प्रोग्राम में फर्स्ट प्राइज आर्यन डांस ग्रुप रायपुर, सेकंड प्राइज वन स्टेप डांस ग्रुप तथा थर्ड प्राइज रॉयाल ग्रुप बिलासपुर को मिला तथा डुएट प्राइज फर्स्ट एम जे पौपरस कोरबा, सोलो प्राइज फर्स्ट प्राइज कोलंबस सिंह, सेकंड प्राइज आकाश बिलासपुर,थर्ड प्राइज सुबीन पटेल को मिला।

विप्स की महिला पदाधिकारियों ने किया गेवरा माइंस का दौरा

कोरबा। वूमेन इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) का 31वां पश्चिमी क्षेत्रीय सम्मेलन बिलासपुर में आयोजित किया गया। सम्मेलन के अंतिम दिवस प्रतिभागी महिलाओं ने गेवरा ओपनकास्ट माइंस का अवलोकन किया। गेवरा क्षेत्र एशिया की सबसे बड़ी ओपन कास्ट माइन है। सभी ने कोयला उत्पादन और प्रेषण की प्रक्रिया को देखा। भारी मशीनों की जानकारी ली गईं। सम्मेलन में एसईसीएल सहित सीआईएल की अन्य अनुषांगिक कंपनियों के विपस संगठन से जुड़ी 200 महिलाओं की भागीदारी हुई। इसी प्रकार 22 दिसम्बर को ही नगर पंचायत छुरी में, 23 दिसम्बर को दीपका तथा पाली में एवं 24 दिसम्बर को कटघोरा में शिविर लगाए जाएंगे।

कामयाब महिला शक्ति के सदस्य मिले विधायक से

कोरबा। हम होंगे कामयाब महिला शक्ति केन्द्र के पदाधिकारियों ने कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने बालको प्रबंधक से 33 प्रतिशत आरक्षण भर्ती की मांग एवं अन्य महिला संबंधित मांग को आवेदन दिया। इस अवसरपर मुख्य संरक्षक प्रतिनिधि सुनील सुना, जिला संयोजक श्रीमती गंगा यादव, सुनिता शुक्ला, आशा सोनकर, सविता सूर्यवंशी, कमला यादव, मेम बाई सूर्यवंशी, चांद बाई खुंटे, रितु यादव, संरक्षक सदस्य विनय टंडेल, पंचराम जांगड़े सहित अन्य उपस्थित थे।

अंतरजिला गिरोह के 6 सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिले से चार ट्रेलर की चोरी, जब्त करने पहुंची पुलिस को मिले महज छोटे टुकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में अक्सर मोटरसाइकिल की चोरी की घटना सामने आई थी। पिछले कुछ दिनों से जिले के अलग-अलग क्षेत्र से मोटरसाइकिल के साथ-साथ ट्रेलर वाहन की चोरी बढ़ गई थी। पुलिस की समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ट्रेलर वाहन की चोरी कौन कर रहा है। जब पुलिस ने मामले की तह तक जाने का प्रयास किया तो पता चला कि जिले में एक ट्रेलर चोरी करने वाला गिरोह काम कर रहा है जो ट्रेलर चोरी करने के बाद उसे रायपुर के कबाड़ी के पास खपा रहा था। जब पुलिस की टीम ट्रेलर को जब्त करने पहुंची तो पुलिस को ट्रेलर तो नहीं मिला लेकिन उसके छोटे-छोटे टुकड़े जरूर मिले हैं इस चोरी के मामले को पुलिस ने भले ही सुलझा लिया है लेकिन पुलिस के हाथ कबाड़ के अलावा कुछ नहीं लगा है। मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सीएसईबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत टीपी नगर क्षेत्र से 3 दिसंबर की रात महिंद्रा शोरूम के सामने सड़क पर खड़ी ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 एस 1305 को किसी अज्ञात चोर ने चुरा लिया था। ट्रेलर मलिक दूसरे दिन जब अपनी ट्रेलर वाहन के पास पहुंचा तो ट्रेलर वहां गायब थी। तब ट्रेलर के मलिक मोहम्मद मंसूर अंसारी ने इस मामले के लिखित शिकायत सीएसईबी चौकी पुलिस से की थी। इसी तरह जिले के अलग-अलग क्षेत्र में ट्रेलर वाहन चोरी की कई घटनाएं सामने आई थी। जब पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला को इस मामले से अवगत करवाया गया तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्रेलर चोर गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया था। जिसके आधार पर सीएसईबी चौकी प्रभारी नवीन पटेल व साइबर सेल की टीम मामले की तहकीकात में जुटी हुई थी। क्षेत्र में लगे दर्जनों सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर पुलिस को कई अहम सुराग मिले जिसके आधार पर पुलिस ने इस मामले में हरदीबाजार दर्राखांचा निवासी भोलेष पाल 25 वर्ष पिता जगदीश प्रसाद व उसके साथी कहरापारा बलौदा जिला जांजगीर-चाम्पा निवासी विनोद कुमार आदित्य 35 वर्ष पिता शिवकुमार जाति कहरा, बलौदा जांजगीर-चाम्पा संदीप कुमार राय 28 वर्ष पिता तुलसी राय, खिसोरा बलौदा जांजगीर-चाम्पा निवासी किर्ती कुमार शर्मा उर्फ यश 28 वर्ष पिता विजय कुमार शर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने टीपी नगर से ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 एस 1837 एवं ट्रेलर कमांक सीजी 12 एस 1305 को स्याहीमुड़ी, दर्री से ट्रेलर कमांक सीजी 22 ए सी 6619 व दीपका से ट्रेलर कमांक सीजी 12 एस 6013 को चोरी कर रायपुर निवासी गाजी खान तथा रासीद खान उर्फ बाबू के पास बेचने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर रायपुर से कबाड़ी के कब्जे से ट्रेलर वाहन के टुकड़ों को बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से कुल 7 नग मोबाईल फोन, 1 नग देशी कट्टा, नगदी रकम 50 हजार, 2 नग मोटर सायकल, 1 नग बोलेरो वाहन बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 379,120 (बी), 201,34,411,413 एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

खास बात

- पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से देशी कट्टा, बोलेरो वाहन व अन्य सामान जब्त

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मीडिया से चर्चा करते अफसर।

करोड़ों का ट्रेलर बेचा लाखों में

पकड़े गए आरोपी जिले के अलग अलग क्षेत्र से ट्रेलर वाहन की चोरी करते थे और उसे रायपुर में अपने परिचित के पास बेच दिया करते थे और उससे रकम ले लिया करते थे। रायपुर निवासी गाजी खान व रासीद खान ट्रेलर वाहन को कबाड़ी को खापा देते थे। कबाड़ी लाखों रुपए कीमती ट्रेलर वाहन को छोटे-छोटे टुकड़ों में परिवर्तित कर दिया करते थे ताकि ट्रेलर के बारे में किसी को कुछ पता ना चले। जिस तरह से यह गोरखधंधा संचालित हो रहा था इससे यह साफ है कि यह कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा था।

अतिक्रमण, कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों ने शुरू की मनमानी

फिर से शुरु हुआ अतिक्रमण।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहर में लंबे समय से अतिक्रमण के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होने की वजह से कई व्यापारियों ने मनमानी शुरू कर दी है। जिससे मुख्य बाजार व मार्गों पर लोगों के आवाजाही के लिए जगह कम पड़ता जा रहा है। दरअसल व्यापारियों ने त्योहारी सीजन की आड़ में दुकान से लेकर सड़क तक सामान सजा लिया है।

शहर में सबसे ज्यादा परेशानी इतवारी बाजार में है। जहां एक ओर ज्यादातर व्यापारियों ने सड़क के आधे हिस्से तक सामान फैला रखे हैं। वहीं दूसरी ओर नॉनवेज मार्केट दूसरी जगह शिफ्ट करने के बाद अब पुनः आधा दर्जन से अधिक नॉनवेज दुकान खुल चुके हैं। सड़क किनारे खुलेआम मुर्गा-मटन नॉनवेज काटे व बेचे जा रहे हैं। जिस कारण एक तो आवाजाही करने वाले आमजन गंदगी के बीच से गुजरते हैं तो दूसरी ओर नॉनवेज खरीदी के लिए लोगों के सड़क पर वाहन खड़ी कर देने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। इस कारण इतवारी बाजार क्षेत्र में खरीदी के लिए पहुंचने वाले खरीदार समेत आम राहगीर परेशान हैं। पूर्व में इतवारी बाजार में नॉनवेज दुकान बंद कराए गए थे लेकिन बाद में वहां नॉनवेज दुकान खोल दी गई है। जिस कारण अब आम आदमी का बाजार से सामान खरीदी व गुजरा मुश्किल हो गया है। साथ ही सड़कों पर लोग वाहन लगाकर नॉनवेज की खरीदी करते हैं। जिससे आए दिन बाजार में जाम लगता है। इतवारी बाजार व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष द्वारा प्रशासन को बाजार में आवागमन परिवहन गाड़ियों के कारण बाधित होना बताया है, लेकिन अवैध रूप से वहां चल रहे नॉनवेज की दुकान हटाने के लिए कोई मांग नहीं की जा रही है जो की गलत है। नगर निगम भी अवैध नॉनवेज दुकानों को हटाने में रुचि नहीं ले रही है। उन्होंने नॉनवेज दुकानो को इतवारी बाजार से तत्काल हटाने की मांग की है।

डीएसपीएम में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

सुरक्षा सप्ताह के दौरान डीएसपीएम के अधिकारी व कर्मचारी।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में औद्योगिक संरक्षा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का समापन मुख्य अभियंता डा. हेमंत सचदेवा अध्यक्षता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, आशीष श्रीवास्तव, संजीव कंसल एवं एलएन सूर्यवंशी के आतिथ्य में किया गया।

मुख्य अतिथि डा.सचदेवा द्वारा इस अवसर पर उद्योग में संरक्षा की अपरिहार्यता का उल्लेख कर संरक्षा को जीवन का अंग बनाने हेतु आव्हान किया गया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा के नियमों के पालन करने से औद्योगिक दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। कारखाना प्रबंधक संजीव कंसल ने कहा की विचलित मन से कार्य करना भी दुर्घटना का एक कारण मोबाईल एवं अन्य व्याकुलता के कारणों से भी बचना जरूरी है। आशीष श्रीवास्तव ने सुरक्षा उपायों की अनदेखी करने के परिणाम की उदाहरण सहित जानकारी दी। औद्योगिक सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत संरक्षा नारा प्रतियोगिता विषय शून्य दुर्घटना मेरा लक्ष्य एवं कविता प्रतियोगिता विषय औद्योगिक दुर्घटना का मूल कारण एवं निदान, पोस्टर प्रतियोगिता विषय सुरक्षित कार्य प्रक्रिया, प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्हें पुरस्कार भी प्रदान किये गए कार्यक्रम का संचालन संरक्षा अधिकारी सुमन सोमानी द्वारा किया गया एवं अधी. अभियंता (संरक्षा) आर.पी टण्डंन द्वारा आभार व्यक्त किया गया। सुरक्षा सप्ताह के समूचे आयोजन में मुख्य संरक्षा अधिकारी टी.पी सिंह, संरक्षा अधिकारी सुमन सोमानी, अग्नि एवं सुरक्षा अधिकारी प्रकाश देवांगन एवं एस.के. डेविड, विनय कुमार नेताम, महिपाल कैवर्त सहित समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

ऊर्जा संरक्षण के लिए सुझाए गए उपायों को दिनचर्या में करना होगा शामिल : खरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस पर शासकीय ईवीपीजी कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज के रसायन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की प्राचार्य डॉ साधना खरे ने ऊर्जा संरक्षण और इसके महत्व के विषय पर बताया।

उन्होंने कहा कि सिर्फ बात करने से ही नहीं ऊर्जा संरक्षण के लिए सुझाए गए उपायों को हमें अपने दिनचर्या में शामिल करना होगा। इस दिशा में लोगों को जागरूक करना होगा। तभी ऊर्जा का संरक्षण संभव है। बॉटनी डिपार्टमेंट की एचओडी रेणुबाला शर्मा ने बताया कि कैसे हमारे पंचतत्व ऊर्जा का अभिन्न स्रोत रहे हैं और हमें लगातार ऊर्जा मिल रही है। अब जरूरत है इन्हें संरक्षित करने की।जितनी जरूरत हो, हमें उतनी ही ऊर्जा प्रकृति से लेनी चाहिए। सहायक प्राध्यापक सुशील अग्रवाल ने ऊर्जा संरक्षण के लिए इकोलॉजी के सिस्टम को समझाया। उन्होंने हैंडप्रिंट और फुटप्रिंट के विषय में उपस्थित श्रोताओं को जानकारी दी। डॉ दिनेश श्रीवास ने दैनिक जीवन में ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न तरीकों से श्रोताओं को अवगत कराया। यह भी बताया कि किस तरह हम छोटी आदतों को बदलकर ऊर्जा का संरक्षण कर सकते हैं। केमिस्ट्री डिपार्टमेंट के सहायक प्राध्यापक और कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार राठौर और विजेंद्र नामदेव ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ऊर्जा के स्रोत और इसके प्रकार पर प्रकाश डाला। प्रेजेंटेशन के जरिये बताया गया कि किस तरह से हम जब टीवी का स्विच ऑन छोड़ देते हैं। तब भी ऊर्जा की बर्बादी होती है। किस तरह से बिजली का उत्पादन होता है। कितनी जटिलता से बिजली हम तक पहुंचाई जाती है और हम इसे अपनी बुरी आदतों बर्बाद कर रहे हैं। बच्चों को बताया गया की फाइव स्टार रेटिंग वाले उत्पाद ही खरीदना चाहिए। जिससे कि कम ऊर्जा खर्च हो और हमें अधिक परिणाम मिले। फाइव स्टार रेटिंग वाले टीवी, फ्रिज, इंडक्शन और इस तरह के कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कम ऊर्जा लेते हैं और हमें अधिक से अधिक परिणाम देते हैं।

यह भी बताया गया कि कैसे कोयला और अन्य ईंधन धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। आने वाले कुछ सालों में यह पूरी तरह से समाप्त हो जाएंगे। इसलिए हमें ऊर्जा का संरक्षण करना है। ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी ऊर्जा के यह स्रोत उपलब्ध हो सकें। कार्यक्रम में ज्योति राठौर, कुंदन आनंद सहित शुभम ढोरिया, सुषमा धुर्वे, निर्मला राठौर मौजूद रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रोफेसर व छात्र छात्राएं।

मारवाड़ी युवा मंच व नवचेतना शाखा ने बच्चों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

पुरस्कार प्राप्त करती छात्राएं।

नगर की अग्रणी समाज सेवी संस्था मारवाड़ी युवा मंच एवं नवचेतना महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटघोरा में बच्चो के बीच छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए चित्रकला एव निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संरक्षक अजय धनोंदिया, प्रांतीय सहायक मंत्री पीयूष अग्रवाल, प्राधानाचार्य बी एक्का, अध्यक्ष अंकुश अग्रवाल, नवचेतना शाखा की पूर्व सचिव प्रियंका अग्रवाल उपस्थित रहे। सचिव अमन अग्रवाल ने बताया कि चित्रकला प्रतियोगिता को अयोध्या के राम मंदिर पर व निबन्ध प्रतियोगिता को भगवान श्रीरामचन्द्र की जीवनी पर रखा गया था। संरक्षक अजय धनोंदिया ने बताया कि निश्चित ही आज जिस प्रकार से बच्चों के लिए केवल पढाई ही मुख्य आधार बन गया है, लेकिन बच्चों को पढाई के साथ ही हर क्षेत्र का ज्ञान होना आवश्यक है, क्योंकि बच्चे आज खेल के क्षेत्र में भी जिस प्रकार से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं वह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है। नवचेतना महिला शाखा की पूर्व सचिव प्रियंका बंसल ने बताया कि निश्चित ही संस्था के द्वारा समय समय पर किसी न किसी प्रकार से सामाजिक सेवा की जा रही है। ततपश्चात संस्था द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम राजनंदिनी जगत, द्वितीय धनेश्वरी कश्यप, तृतीय उमाशंकर रहीं। वहीं निबन्ध प्रतियोगिता में सुहानी महंत प्रथम, निम्मी रत्नाकर द्वितीय व शालिनी कंवर तृतीय रहीं। मंचस्थ अतिथियों के द्वारा विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनसंपर्क प्रांतीय सहसंयोजक श्रीमती शीतल मित्तल,कोषाध्यक्ष श्रीमती अनुष्का मित्तल, सचिव श्रीमती एकता सिंघल, श्रीमति आँचल अग्रवाल, सचिव संजय मित्तल, कोषाध्यक्ष अमन अग्रवाल सहित विद्यालय के शिक्षक विकास, गौरीशंकर एव बच्चे उपस्थित रहे।

वार्डों में चल रहा स्वच्छता अभियान

उद्यानों व सार्वजनिक स्थलों में की गई साफ-सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में स्वच्छ भारत अभियान के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही आमजनों को स्वच्छ वातावरण से होने वाले फायदों के बारे में बताते हुए अपने आस पास को स्वच्छ बनाए रखने का आग्रह किया गया।

अभियान अंतर्गत निगम क्षेत्र में मुड़ापार तालाब में सफाई अभियान चलाकर कचरा, अपशिष्ट पदार्थ, प्लास्टिक, खरपतवार को हटाया गया। इसी प्रकार सार्वजनिक स्थान शारदा विहार उद्यान, स्मृति उद्यान, सामुदायिक भवन, सुनालिया ज्वेलर्स के निकट मल्टीलेवल पार्किंग के आसपास झाड़ी, कचरा सफाई का कार्य किया गया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर फेस-1 दशहरा मैदान एवं सामुदायिक भवन में सफाई अभियान चलाया गया। मुख्य मार्ग अंतर्गत सुनालिया ज्वेलर्स से रेल्वे स्टेशन नहर रोड एवं सुनालिया पुल से अग्रसेन चौक तक सड़कों की सफाई का अभियान एवं कचरे की सफाई कर कचरे का उठाव किया गया। इसी प्रकार आवासीय क्षेत्रों में सफाई मित्रों द्वारा गीला एवं सूखा कचरा पृथक पृथक कर स्वच्छताग्रहियो को देने की अपील की गई। साथ ही जनसामान्य को घरों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने, स्वच्छता से जुड़े बीमारियों को नियंत्रित करने, स्वस्थ और स्वच्छ भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करने तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में जनजागरूक किया गया।